ओडिशा समाचार

कलिंग समाचार | राउरकेला, सोमवार 30 सितंबर 2024 | पृष्ठ-6

चार जिलों में बाढ़ से तबाही, 40 हजार लोग प्रभावित, 11 हजार से अधिक को किया गया शिफ्ट

भुवनेश्वर २९/०९ (संवाददाता): ओडिशा में पिछले कुछ दिनों से हो रही मूसलाधार वर्षा के बाद अब लोगों को बाढ़ की तबाही का सामना करना पड़ रहा है। हजारों एकड़ खेत जलमग्न हो गए हैंए जबिक शताधिक गांव पानी के घेरे में हैं। 11 हजार 632 लोगों ने अपने घरों को छोड़कर सुरक्षित स्थान पर शरण लिया हैए जिन्हें सरकार की तरफसे खाद्य पेय मुहैया कराई जा रही है। यह स्थिति प्रदेश के चार जिले बालेश्वरए मयूरभंज के न्दुझर और सुन्दरगड़ में बनी है।33 प्रखंड के 264 गांव और दो नगरपालिका में बाढ़ के पानी के कारण लगभग 40 हजार लोग प्रभावि हैं। बाढ़ की संगीन स्थिति को देखते हुए मु यमंत्री मोहन चरण माझी ने सबसे ज्यादा प्रभावित बालेश्वर जिले का हवाई सर्वेक्षण किया। इसके साथ ही उन्होंने प्रभावित लोगों को तुरंत सहायता मुहैया कराने का निर्देश दिया है।

राज्य विशेष राहत आयुक्त के कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसारए बालेश्वर जिले के भोगराई, बस्ता, जलेश्वरए बालेश्वर सदर और रेमुणा प्रखंड के 141 गांवों के 35654 लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।11632 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है और 51 स्थानों पर मु त पका हुआ भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। जिले में कुल 12627 पशु प्रभावित हुए हैं। 102 घरों को आंशिक रूप से नुकसान पहुंचा है। जिले के बाढ़ पीड़ितों को 17.3 क्विंटल चूड़ा, 3.15 क्विंटल गुड़ और 99 पॉलीथिन बैग वितरित किए गए हैं। बाढ़ प्रभावित इलाकों में दो मेडिकल टीम और दो पशु चिकित्सा दल भी तैनात किए गए हैं।

इसी तरह मयूरभंज जिले में बाढ़ का पानी घुसने से 22 प्रखंडों के 101 गांव प्रभावित हुए हैं। बारीपदा नगरपालिका के 11 वार्डों में भी बाढ़ का पानी घुस गया है। जिले में 2ए035 लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं जबकि 1ए603 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।इसके अलावाए चार भोजन केंद्र स्थापित किए गए हैं और प्रभावितों को मु त में भोजन प्रदान किया जा रहा है। दो जानवरों की मौत हो चुकी है। 333 घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए हैं और एक घर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। केंदुझर जिले के पांच प्रखंड पाटणाए चंपुआए सहदपड़ाए हाटडीही और हरिचंदनपुर प्रखंड के कुल 22 गांव बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। बाढ़ से 1160 लोग प्रभावित हुए हैं।

35 घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए हवहीं सुंदरगढ़ जिले के एक ब्लॉक और राउरकेला नगर निगम में बाढ़ से कुल 153 लोग प्रभावित हुए हैं। प्रभावित लोगों को खाने के पैकेट उपलब्ध कराए गए हैं। एसआरसी कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसारए बाढ़ प्रभावित इन जिलों में संभावित खतरे को देखते हुए बालेश्वर जिले में एनडीआरएफ की एक टीमए ओडीआरएएफ की सात टीम एवं 14 दमकल टीम तैनात की गई हैं। इसी तरह मयूरभंज जिले में पांच ओडीआरएएफए12 फायर ब्रिगेड टीम एवं भद्रक में एनडीआरएफ की एक टीम तैनात की गई है। उधर, मु यमंत्री माझी ने बालेश्वर जिले में बाढ़ की स्थिति का हवाई सर्वेक्षण करने के बाद समीक्षा बैठक की है। मु यमंत्री ने कहा है कि बालेश्वर में बाढ़ के कारण छह प्रखंड प्रभावित हुए हैं और 8000 हेक्टेयर भूमि जलमग्न है। विशेष रूप से भोगराई जलेश्वर और बलियापाल प्रखंड के 35 गांव सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। पूर्णिमा के कारण समुद्र में ज्वार भाटा आ रहा है। इससे समुद्र में जल निष्कासन नहीं हो पा रहा है। माझी ने कहा कि स्थिति में जल्द ही सुधार होगा। मु यमंत्री माझी ने जिला कलेक्टरों को तत्काल बाढ़ प्रभावित लोगों के पास पहुंचने और राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं।

सांस्कृतिक केंद्र इस्पात कलाकार निवास का उद्घाटन

राउरकेला २९/०९ (संवाददाता): राउरकेला इस्पात संयंत्र द्वारा राउरकेला की सांस्कृतिक जीवंतता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सेक्टर.4 में निर्मित राउरकेला के लिए एक नए सांस्कृतिक केंद्रए इस्पात कलाकार निवास का उद्घाटन कार्यपालक निदेशक ;वर्क्स श्री एस आर सूर्यवंशी द्वारा किया गया। इस अवसर पर मु य महाप्रबंधक प्रभारी ;नगर प्रशासन एवं सीएसआरद्ध श्री पी के स्वाई, मु य महाप्रबंधक प्रभारी ;सामग्री प्रबंधन श्री अनिल कुमारए मु य महाप्रबंधक ;नगर इंजीनियरिंग एवं बागवानी श्री बी के जोजो और संयंत्र के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। 48 लाख रुपये की लागत से निर्मित इस नवनिर्मित सुविधा का उद्देश्य देश भर के कलाकारों और आगंतुकों को आवास और आवश्यक सुविधाएँ प्रदान करना है जो रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए अक्सर राउरकेला आते रहते हैं। इस्पात कलाकार निवास अपने मेहमानों के लिए आरामदायक प्रवास सुनिश्चित करने के लिए कई प्रकार की बेहतरीन डिज़ाइन की गई सुविधाएँ प्रदान करेगा। इसमें कुल 6628 वर्ग फीट के प्लिंथ क्षेत्र को कवर करती है और 13825 वर्ग फीट के भूखंड क्षेत्र में स्थित है।

इसमें कुल नौ कमरे हैंए जिनमें तीन कमरों में शौचालय जुड़े हुए हैं। इसके अतिरिक्त उपयोग के लिए सामान्य शौचालय उपलब्ध हैं। इस सुविधा में एक बड़ा बैठक क्षेत्रए गैरेज, वाहन शेड और हाउसकीपिंग स्टाफ और सुरक्षा गार्ड के लिए कमरे की व्यवस्था है। इमारत में सामने एक बरामदा और एक खूबसूरत लॉन है, जो इसके मेहमानों के लिए स्वागत योग्य और सौंदर्य की दृष्टि से मनभावन वातावरण प्रदान करेगा है। विशाल और अच्छी तरह से सुसज्जित इस्पात कलाकार निवास कलाकारों और अन्य आगंतुकों के लिए आरामदायक और सुविधाजनक प्रवास प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। विशेषत राउरकेला लंबे समय से संस्कृति का केंद्र रहा हैए जो साल भर कई संगीतए नाटक और नृत्य महोत्सवों की मेजबानी करता है.

ओडिशा से महाराष्ट्र चले जाएंगे 40 हजार करोड़, उद्योग मंत्री बोले-ईवी परियोजना पर कर रहे बातचीत

भुवनेश्वर २९/०९ (संवाददाता): जेएसडब्ल्यू समूह जिसने ओडिशा सरकार के साथ राज्य में 40000 करोड़ रुपये के इलेक्ट्रिक वाहन और बैटरी परियोजना स्थापित करने के लिए समझौता किया थाए अब इसे महाराष्ट्र में स्थानांतरण करने की योजना बना रहा है।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक जेएसडब्ल्यू अब महाराष्ट्र के औरंगाबाद और नागपुर को ईवी बैटरी परियोजना के लिए शीर्ष विकल्प के रूप में मान रही है। सज्जन जिंदल के नेतृत्व वाले समूह जेएसडब्ल्यू समूह ने एकीकृत इलेक्ट्रिक वाहन ;ईवी और ईवी बैटरी विनिर्माण परियोजना स्थापित करने के लिए इस साल 10 फरवरी को बीजद सरकार के साथ समझौता किया था।

समझौते के अनुसारए जेएसडब्ल्यू समूह ने कटक के नराज में एक ईवी वाहन और घटक विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने की योजना बनाई थी। इसी तरहए जगतसिंहपुर के पारादीप में एक तांबा स्मेल्टर और लिथियम रिफाइनरी संयंत्र स्थापित करने की योजना बनाई थी। इस परियोजना में 50 जीडब्ल्यूएच ईवी बैटरी प्लांट्स ईवीए लिथियम रिफाइनरीए कॉपर स्मेल्टर और संबंधित घटक निर्माण इकाइयां शामिल हैं।

राज्य मंत्रिमंडल द्वारा समूह की महत्वाकांक्षी ईवी और कलपुर्जा निर्माण परियोजनाओं के लिए कटक के नराज और जगतसिंहपुर जिले के पारादीप में विशेष प्रोत्साहन पैकेज को मंजूरी दिए जाने के दो सप्ताह बाद समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे।

दूसरी ओर उद्योग मंत्री संपद चंद्र स्वाई ने कहा है कि जेएसडब्ल्यू की ओडिशा से परियोजना को स्थानांतरित करने की योजना को अंतिम रूप दिया जाना बाकी है। हम जेएसडब्ल्यू के साथ बातचीत कर रहे हैं। चर्चा के निष्कर्ष पर पहुंचने के बाद सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा।

उन्होंने परियोजना को ओडिशा से स्थानांतरित करने के लिए अंतिम रूप नहीं दिया है और हमें इसके बारे में सूचित भी नहीं किया गया है। कई मौकों पर परियोजनाओं को शुरू करने में अत्यधिक देरी होती है और जेएसडब्ल्यू के साथ भी ऐसा ही है।

पुरी के रत्न भंडार और कोणार्क सूर्य मंदिर में एएसआई ने किया सर्वे

भुवनेश्वर २९/०९ (संवाददाता): ओडिशा के पुरी में एएसआई की टीम ने जगन्नाथ मंदिर के रत्नभंडार की अंदरूनी संरचना तथा कोणार्क सूर्य मंदिर से रेत हटाने के कार्य की प्रगति का निरीक्षण किया। ये दोनों ही मंदिर 12 वीं और 13वीं सदी के हैं। जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार में 17 सदस्यीय टीम ने लेजर स्कैनर का उपयोग कर पर्षाए दीवारों व छत की तीन घंटे तक गहन जांच की। श्रीजगन्नाथ मंदिर प्रशासन ;एसजेटीए के मु य प्रशासक अरविंद कुमार पाढ़ी ने बताया कि अपराहन दो बजे से शाम 5 बजे तक निरीक्षण का कार्य जारी रहा। इसे लेकर मंदिर में अपराह्न एक बजे से शाम तक श्रद्धालुओं का दर्शन.पूजन बंद रखा गया। हालांकि महाप्रभु की विधि.विधानपूर्वक होने वाली नियमित पूजा जारी रही। पाढ़ी के अनुसारए रत्न भंडार के भीतर कोई अन्य गुप्त खजाना है या नहींए यह पता करने के लिए एक रडार सर्वेक्षण भी किया जाएगा। इसे लेकर रडार टीम के विशेषज्ञों से निरीक्षण के लिए आग्रह किया है। उधरए रत्नभंडार की जांच के लिए बनाई गई उच्चस्तरीय समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति विश्वनाथ रथ ने कहा कि विशेषज्ञों की टीम ने अभी प्रारंभिक जांच की है।

उन्होंने कहा कि ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार ;जीपीआरद्ध और अन्य मशीनों के उपयोग से तकनीकी जांच की जाएगी। उधर कोणार्क सूर्य मंदिर में एएसआइ की टीम ने अतिरिक्त महानिदेशक जान्हवीज शर्मा के नेतृत्व में छह सदस्यीय टीम ने मंदिर के सभा कक्ष से रेत हटाने में हुई प्रगति का निरीक्षण किया। आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसारए कोणार्क मंदिर को ढहने से बचाने के लिए 1903 में संरचना के भीतर रेत भरकर तत्कालीन ब्रिटिश प्रशासन द्वारा सील कर दिया गया था। जान्हवीज शर्मा ने कहा कि कोणार्क मंदिर एक विश्व धरोहर स्थल हैए जिसका हम समय.समय पर निरीक्षण करते हैं।

यह ओडिशा में स्थित एकमात्र यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल भी है। उन्होंने कहा कि एएसआइ ने फरवरी 2020 में मंदिर से रेत हटाने के प्रस्ताव को स्वीकार किया था। संरचनात्मक क्षति की जांच के लिए सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट ;सीबीआरआइद्ध द्वारा किए गए एंडोस्कोपी अध्ययन से पता चला है कि रेत का भराव लगभग 12.5 फीट तक रह गया हैए जिसे हटाने का काम तेजी से चल रहा है।

आरएसपी के ईआरडब्ल्यू पाइप प्लांट द्वारा ईआरडब्ल्यू पाइप के एकल शिफ्ट एवं एक दिवसीय उत्पादन का नया रिकॉर्ड दर्ज

राउरकेला २९/०९ (संवाददाता): राउरकेला इस्पात संयंत्र ;आरएसपी के पाइप प्लांट ;ईआरडब्ल्यूद्ध ने ईआरडब्ल्यू पाइप के एकल शिफ्ट और एक दिवसीय उत्पादन का नया रिकॉर्ड स्थापित किया है। पाइप प्लांट ;ईआरडब्ल्यू इकाई ने एक ही दिन में 607 टन पाइप का उत्पादन किया, जिससे 15 अक्टूबरए 2023 को हासिल किए गए 575 टन के पहले के सर्वश्रेष्ठ आँकड़े को पार कर लिया। इकाई ने उसी दिन 469 टन ईआरडब्ल्यू पाइप का रिकॉर्ड पासिंग भी हासिल किया। मिल ने ए शिफ्ट में 311 टन का अब तक का सर्वश्रेष्ठ शिफ्ट उत्पादन भी दर्ज किया। उल्लेखनीय है कि अग्रणी पाइप बनाने वाली इकाई ने 63 साल पहले 15 अक्टूबर 1960 को अपना पहला पाइप बनाकर अपनी यात्रा शुरू की थी। कार्यपालक निदेशक ;संकार्य श्री एस आर सूर्यवंशी ने 25 सितंबर को ईआरडब्ल्यू पाइप प्लांट का दौरा किया और पाइप प्लांट ;ईआरडब्ल्यू कर्मीसमूह को बधाई दी।

उन्होंने पाइप प्लांट ;ईआरडब्ल्यू कॉन्फ्रेंस हॉल में विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बैठक की। रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन के लिए कर्मीसमूह को बधाई देते हुएए कार्यपालक निदेशक ;संकार्य ने कहा श्पाइप प्लांट के हालिया उत्कृष्ट प्रदर्शन टीम की क्षमता का उदाहरण हैं। आइए हम अपने उत्पादन की मात्रा को बढ़ाते हुए मूल्य संवर्धन के माध्यम से लाभप्रदता बढ़ाने पर भी ध्यान केंद्रित करें श्। उन्होंने उच्चतम सुरक्षा मानकों का पालन करने वाले उच्चतम गुणवत्ता वाले उत्पादों के साथ एक विशिष्ट बाजार की जरूरतों को पूरा करने के लिए प्लांट की दक्षता बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। उल्लेखनीय है कि उत्पादन योजना और नियंत्रण, अनुसंधान और नियंत्रण प्रयोगशाला, हॉट स्ट्रिप मिल्स, यातायात और कच्चे माल विभाग और अन्य सभी संबद्धित एजेंसियों के समन्वित सहयोग के साथ पाइप संयंत्र कर्मीसमूह के ठोस प्रयासों से यह उपलब्धि हासिल की गई है। महाप्रबंधक प्रभारी ;पाइप प्लांट श्री एम यू लस्कर ने शीर्ष प्रबंधन को उनके कुशल मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद दिया तथा उन्हें आश्वासन दिया कि विभाग अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए अथक प्रयास करेगा। महाप्रबंधक ;पाइप प्लांटद्ध श्री अविनाश चौधरी ने कार्यक्रम का समन्वयन किया।

आय से अधिक संपत्ति के मामले में रेलवे अधिकारी के घर छापा

भुवनेश्वर २९/०९ आय से अधिक संपत्ति रखने के आरोप में भुवनेश्वर के एक रिटायर्ड रेलवे अधिकारी के कई ठिकानों पर बुधवार सीबीआई की टीमों ने छापामारी की है। सीबीआई भुवनेश्वर समेत 4 जगहों पर एक साथ छापेमारी की है। सीबीआई की 5 टीमें भुवनेश्वर में 2ए कटक में एक और जगतसिंहपुर में एक जगह एक साथ जांच कर रही हैं।

छापेमारी के दौरान सीबीआई को इमरजेंसी कागजातए कैश बैंक डिपॉजिटए पासपोर्टए सोने के जेवरातए वाहनए जमीन के कागजात और लैट मिले। सीबीआई ने जिसके घर छापा मारा है उसका नाम प्रमोद जेना है। प्रमोद जेना ईस्ट कोस्ट रेलवे के पूर्व प्रधान मु य परिचालन प्रबंधक थे।

MCL महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड
(कोल इंडिया लिमिटेड की एक अनुषंगी कंपनी)
जागृति विहार, बुर्ला-768020, जिला-सम्बलपुर (ओडिशा)
दूरभाष (ईपीबीएक्स): 0663-2540481 से 489 वेबसाइट: www.mahanadicoal.in

सूचना

"सामग्री, कार्यों एवं सेवाओं के खरीद हेतु सीआईएल एवं इसकी अनुषंगी कम्पनियों द्वारा जारी सभी निविदाएँ कोल इण्डिया लिमिटेड की वेबसाइट www.coalindia.in/सम्बंधित अनुषंगी कम्पनी (एमसीएल, www.mahanadicoal.in), सीआईएल ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://coalindiatenders.nic.in एवं सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://eprocure.gov.in पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त, जीईएम पोर्टल https://gem.gov.in के माध्यम से भी खरीद की जाती है।"

R-5224